

[2]

Roll No.

Total Printed Pages - 4

F-3518

M.A. (Previous) EXAMINATION, 2022

HISTORY

(Optional)

Paper Fourth (A)

(ग्रेट ब्रिटेन का इतिहास : 1875-1945)

Time : Three Hours]

[Maximum Marks:100

नोट : सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt all the five questions. One question from each unit is compulsory. All questions carry equal marks.

इकाई - 1 / Unit - 1

1. 1815 से 1822 ई0 तक इंग्लैण्ड की आंतरिक समस्याओं का वर्णन कीजिए।

Describe the Internal problems of England from 1815 to 1822 A.D.

अथवा

(or)

लार्ड कैनिंग की विदेश नीति का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

Critically examine the foreign policy of Lord Canning.

इकाई-2

(Unit-2)

2. चार्टिस्ट आन्दोलन से आप क्या समझते हैं? इनके प्रमुख मांगों एवं प्रभाव का वर्णन कीजिए।

What do you understand by the Chartist Movement?

Describe its major demands and impact.

अथवा

(or)

1830 से 1841 ई0 तक ग्रेट-ब्रिटेन की विदेश नीति की समीक्षा कीजिए।

Review the foreign policy of Great Britain from 1830 to 1841 A.D.

P.T.O.

F- 3518

[3]

इकाई-3

(Unit-3)

3. "1828 से 1856 ई0 तक पूर्वी समस्या ग्रेट ब्रिटेन की साम्राज्यवादी लिप्सा का परिचायक है। इस कथन की व्याख्या कीजिए।

"The Eastern Problem from 1828 to 1856 A.D. reflects the imperialist lust of Great Britain." Explain this statement.

अथवा

(or)

1867 ई0 के सुधार अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों का वर्णन करते हुए उनके प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

Explain the major provisions of the Reform Act of 1867 A.D., Analyze their impact.

इकाई-4

(Unit-4)

4. डिजरायली की गृहनीति की समीक्षा कीजिए।

Explain the Home Policy of Disraeli.

अथवा

[4]

(or)

1902 से 1914 ई0 तक ग्रेट-ब्रिटेन की विदेश नीति की समीक्षा कीजिए।

Review the foreign policy of Great Britain from 1902 to 1914 A.D.

इकाई-5

(Unit-5)

5. प्रथम विश्वयुद्ध की समाप्ति और द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रारंभ से पूर्व ग्रेट-ब्रिटेन की विदेश नीति की समीक्षा कीजिए।

Review the foreign policy of Great Britain after the end of the First World War and before the beginning of the Second World War.

अथवा

(or)

"ग्रेट-ब्रिटेन एवं यूरोपीय राष्ट्रों की स्वार्थपरता ने द्वितीय विश्वयुद्ध को जन्म दिया।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं?

"The Selfishness of Great Britain and European nations gave rise to World War II". Do you agree with this statement?